डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 177 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 13 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

एमपी बोर्ड: 10 से 20 मई के बीच आ सकता है परिणाम

मंदसौर, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाएं सफलतापूर्वक हो चुकी हैं। अब विद्यार्थी बेसब्री से अपने परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच रिजल्ट को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। बोर्ड के सचिव डॉ. कृष्ण देव त्रिपाठी ने बताया कि प्रदेशभर के 52 केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य जारी है। अब तक 60 प्रतिशत कॉपियों की चैकिंग पूरी हो चुकी है। 25 अप्रैल तक शेष कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद रिजल्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उम्मीद है कि मई के पहले सप्ताह में रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। बता दें कि इस वर्ष हाईस्कूल (10वीं) परीक्षा 27 फरवरी से शुरू हुई थी। जिसमें पहला पेपर हिंदी का था। वहीं, हायर सेकेंडरी (12वीं) परीक्षा 24 फरवरी से शुरू हुई थी। दोनों परीक्षाएं सुबह 9 बजे से 12 बजे तक एक शिफ्ट में आयोजित की गई थीं।

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

तीन छत्री बालाजी और तलाई वाले बालाजी

हर्षोल्लास से मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

जगह-जगह हुई महाआरती, भंडारे में हजारो लोगो ने प्रसादी ग्रहण की

मंदसौर, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री रामदूत हनुमान के जन्मोत्सव पर शहर समेत अंचल के तमाम मंदिरों में उत्सवी माहौल रहा। पवनपुत्र हनुमान के जयकारों के साथ कई धार्मिक आयोजन संपन्न हुए। अखंड रामायण, सुंदरकांड और हनुमान चालिसा के पाठ और हवन, पूजन का दौर दिनभर चलता रहा। कई जगहों पर महाआरती और भंडारों के आयोजन भी हुए।

आस्था के प्रमुख केन्द्र बालागंज स्थित तलाई वाले बालाजी मंदिर, गीताभवन बालाजी मंदिर, बंजारी बालाजी पानपुर सहित शहर एवं अचंल में अनेक हनुमान मंदिरो पर हर्षोल्लास से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। तीन दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव पर्व के तहत रात में भगवान का अभिषेक किया गया। सुबह चार बजे बालाजी जन्मोत्सव यज्ञ शुरू हुआ। छह बजे महाआरती का आयोजन किया। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। सैकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। ग्यारह बजे राम यज्ञ की पूर्णाहुति हुई। इसके अलावा शहर के सभी हनुमान मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। हनुमानजी का विशेष श्रृंगार के साथ मंदिरों की भी आकर्षक साज सज्जा की गई। इसके अलावा कई जगहों पर महाप्रसादी का आयोजन भी हुआ।

हरिहर धाम बालाजी में हुआ विशेष आयोजन...

अभिनंदन परिक्षेत्र के लक्ष्मीनगर वेदांत विहार में स्थित श्री हरिहर धाम बालाजी मंदिर में भी श्री हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष आयोजन हुए। शाम को हनुमान चालिसा के सामुहिक पाठ के साथ महाआरती की गई। इस अवसर पर उपस्थित श्रृद्धालुजनो को प्रसाद वितरण किया गया।

आईपीएल मैच में सट्टेबाजी के चार आरोपी गिरफ्तार

एक करोड़ का हिसाब और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त; पुलिस ने लिया रिमांड पर

नीमच, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शहर की बघाना थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से शनिवार को आईपीएल-2025 में मैच पर आनलाइन सट्टेबाजी का खुलासा किया है। मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले जा रहे मैच पर सट्टा लगा रहे थे।

थाना प्रभारी बघाना निलेश अवस्थी ने बताया कि आरोपी रेहान उर्फ मोंटी, बुरहान उर्फ मोहम्मद,अदनान और अदनान को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक लैपटॉप, एक एलईडी टीवी, चार एंड्रॉइड मोबाइल, तीन की पैड मोबाइल, सेट टॉप बॉक्स और 05 हजार रुपए नकद बरामद किए गए। साथ ही करीब एक करोड रुपए का क्रिकेट सट्टे का हिसाब भी जब्त किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लोगों को 10 से 20 गुना मुनाफे का लालच देकर सट्टेबाजी करवाते थे। पुलिस ने आईडी और लाइन उपलब्ध कराने वाले और कमीशन पर ग्राहक जुटाने वाले 09 अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया है। गिरफ्तार आरोपियों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में रेहान उर्फ मोंटी, बुरहान उर्फ मोहम्मद, अदनान और अदनान खां शामिल हैं। इनमें से तीन आरोपी बघाना के नाका नंबर 04 के रहने वाले हैं, जबकि एक आरोपी चंदन चौक सुतारी मोहल्ला निम्बाहेडा का निवासी है।

ईकेवायसी: डेढ़ लाख से ज्यादा बाकी, 30 अप्रैल तक पूरा करने के निर्देश

भोपाल, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर करने के निर्देश दिए हैं। जिले में 1.56 लाख लोगों की ईकेवायसी होना बाकी है। ई-केवायसी 30 अप्रैल तक पूर्ण करने के निर्देश भारत सरकार द्वारा प्राप्त हुए हैं। समय सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी न होने पर हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है।

मंत्री राजपूत ने बताया कि 09 से 30 अप्रैल तक प्रदेश में ई-केवायसी कराने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विशेष अभियान में ई-केवायसी से शेष रह गये सभी पात्र हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन, स्थानीय निकाय, जेएसओ लागिन पर उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग के स्थानीय अमले का सहयोग लिया जा रहा है। अभियान में हितग्राहियों की ई-केवायसी ग्रामवार एवं मुहल्लेवार कैंप लगाकर की जाएंगे।

सरकार के पास जगह नहीं, किसान कैसे करे व्यवस्था..?

सरकार नहीं कर पा रही व्यवस्था, 13 हजार से ज्यादा किसानों को डोडाचूरा की टेंशन

नौ सालों का डोडाचूरा कैसे संभाले किसान....

मंदसौर, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स ने चिराई में निकाली अफीम की खरीदी पूरी कर ली है। इधर सीपीएस पद्धति से डोडो की खरीदी तो शुरु की गई है। लेकिन, डोडे रखने के लिए जगह नहीं मिली तो फिलहाल बंद कर दी गई है। खरीदी शुरु होने तक डोडों को सुरक्षा की जिम्मेदारी किसानों की है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जब सरकार ही डोडों को सुरक्षित रखने के लिए जगह नहीं बना पा रही तो चिलचिलाती धूप में काम कर दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करने वाला धरती पूत्र डोडाचूरा को कैसे संभालेगा? बता दे कि मंदसौर जिले में 13 हजार 266 किसानों ने चीरा पद्धति से अफीम सरकार को बेची है। नियम कहता है कि इसमें निकलने वाले डोडाचूरा को किसान को घर पर ही रखना है। इस डोडाचूरा को किसान किसी को नहीं बेच सकता।

केंद्र शासन ने इस साल मप्र में अफीम खेती के लिए 54 हजार 750 किसानों को पट्टे जारी किए थे। इसमें मंदसौर जिले में 13 हजार 266 किसानों को चीरा पद्धति एवं 17 हजार 247 किसानों को सीपीएस पद्धति के पट्टे दिए थे। अफीम फसल होने के बाद विभाग ने 29 मार्च से मंदसौर, नीमच व आसपास के जिलों में जगह-जगह अफीम की खरीदी शुरू की। इसके साथ ही जांच कर रोज हजारों किसानों को रिपोर्ट उपलब्ध कराई जा रही थी। 80 से 90 फीसदी किसानों को भुगतान भी करा दिया गया। इसकेबाद नीमच, मंदसौर, रतलाम जिलों के सभी खंड में सीपीएस पद्धति पर डोडों की खरीदी भी शुरू होना थी। सभी जगह

खरीदी प्रारंभ नहीं हुई व अस्थायी केंद्र से टेंट-तंबू भी उठा लिया गया, जिससे किसान परेशान हैं। उन्होंने डोडों की कटाई कर घरों में रखे हैं। जिसकी सुरक्षा के लिए दिन-रात निगरानी करनी पड़रही है। इससे चोरी का खतरा बना रहता है। नीमच में मोरवन के पास एक साल पहले सीपीएस से अफीम प्रोसेस की फैक्टरी स्थापित होना थी। लेकिन, जिला प्रशासन व वन विभाग के बीच जमीन विवाद को लेकर उसका निर्माण भी रूक हो गया। सूत्रों के अनुसार 20 अप्रैल के बाद ही सीपीएस पर खरीदी प्रारंभ हो सकेगी।

पिछले सालों में खरीदा डोडाचूरा भी अभी गोदामों में ही रखा है...!

केंद्र सरकार द्वारा पीपीपी मोड पर सीपीएस पद्धति में लिए जाने वाले डोडों से अल्कोलाइड निकालने के लिए नई फैक्टरी का निर्माण जावद के गांव जनकपुर में बीट बसौड़ भाटी में किया जा रहा है। नीमच फैक्टरी में डोडों से अफीम निकालने का कार्य किया जाएगा। इसके लिए एक साल पहले मई में जिला प्रशासन ने जावद विधानसभा के मोरवन के पास बसेड़ी भाटी बीट में निर्माण शुरू किया। निर्माण प्रारंभ होते ही वन विभाग ने आपत्ति लेकर सामग्री जब्त की। इसके बाद लंबे समय तक मामला विवाद में उलझा रहा व निर्माण बंद रहा। इसके चलते फैक्टरी निर्माण में देरी हुई। अब तक फैक्टरी प्रारंभ हो जाना चाहिए थी। देरी से पिछले सालों में खरीदा डोडाचूरा भी गोदामों में रखा है, उनकी प्रोसेस नहीं हो पाई है। इससे विभाग के पास अभी खरीदी करने के बाद स्टॉक के लिए जगह नहीं है। जिससे देरी हो रही है।

तीन साल में व्यवस्था नहीं कर पाई सरकार...

2022 से सरकार ने सीपीएस पद्धति से डोडाचूरा खरीदना शुरु किया। इसमें आधे से अधिक अफीम किसानों को सीपीएस पद्धति में शामिल किया गया। इधर 2016 में डोडाचूरा की खरीदी सरकार ने बंद कर दी। कहने का तात्पर्य यह है कि तीन साल में सरकार आधे से थोड़े ज्यादा किसानों का डोडाचूरा कुछ समय के लिए सुरक्षित रखने का जुगाड़ नहीं कर पाई। तो 09 साल तक का डोडाचूरा किसानों से संभालकर रखने की आशा करना बेईमानी होग?

फाल्ट ठीक कर उतरते समय हुआ हादसा...

बिजली खंबे पर चढ़े लाइनमेन को करंट लगा, मौत

रतलाम, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले के पिपलौदा में करंट लगने से एक लाइनमैन की मौत हो गई। लाइनमैन आउटसोर्स कर्मचारी था, जो

एक खेत में बिना सुरक्षा साधनों के 11केवी लाइन का फाल्ट ठीक करने के लिए बिजली खंबे पर चढ़ा था। फाल्ट ठीक करने के बाद जैसे ही वह नीचे उतरने लगा, उसे करंट लग गया। वह तारों पर चिपक गया और उसकी मौत हो गई।

मृतक कर्मचारी का नाम शांतिलाल पिता रमेशचंद्र पोरवाल निवासी कमलाखेड़ा बताया गया है। जानकारी के अनुसार पिपलौदा क्षेत्र में गोपाल धनगर के खेत में 11केवी बिजली लाइन के पोल पर फाल्ट ठीक करने वह पोल पर चढ़ा था। फाल्ट ठीक करने के बाद उतरने लगा तो तारों की चपेट में आ गया, जिससे करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह भी जानकारी सामने आई है कि लाइनमैन काफी अनुभवी था, वह फाल्ट ठीक करने अकेला गया था। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने जैसे ही देखा तो हड़कंप मच गया। विद्युत सप्लाई बंद कर ग्रामीणों व बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने उसे नीचे उतारा, हालांकि तब तक उसकी मौत हो गई। मौके पर पिपलौदा थाना पुलिस भी पहुंची। पंचनामा बनाकर शव को पीएम के लिए पिपलौदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। दोपहर में पीएम कर शव परिजनों को सौंपा।

पटवारी ने कराया था एक लाख में समझौता, सस्पेंड

नीमच, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले के चीताखेड़ा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। दशहरा मैदान के पास सर्वे नंबर 482 की जमीन पर विवाद चल रहा है। तहसीलदार जीरन के अतिक्रमण हटाने के आदेश के बावजूद पटवारी नरेंद्र योगी ने अतिक्रमणकर्ता से एक लाख रुपए दिलवाकर मामले का निपटारा करा दिया। इस घटना का वीडियो अब सामने आया है। वीडियो में शिकायतकर्ता महिला को रुपए देकर समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए देखा जा सकता है।

मामले का खुलासा होने पर कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने पटवारी नरेंद्र योगी को तुरंत निलंबित कर दिया। वीडियो में दिख रहे दूसरे पटवारी प्रदीप पाटीदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विवादित जमीन पर पहले नानीबाई पत्नी दौलतराम मेघवाल का कब्जा था। बाद में गांव की चतरीबाई पत्नी हरिसिंह बंजारा ने मारपीट कर नानीबाई को बेदखल कर दिया। नानीबाई ने कलेक्टर से शिकायत की थी। पिछले साल 06 दिसंबर को तत्कालीन तहसीलदार ने ढाई बीघा की इस सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया था। कार्रवाई में अवैध खेती भी नष्ट की गई थी। एसडीएम संजीव साहू के अनुसार दो-तीन दिन में इस सरकारी जमीन से फिर से कब्जा हटाया जाएगा। वीडियो सामने आने के बाद एक पटवारी निलंबित किया गया है और दूसरे को नोटिस जारी किया गया है।

सांदीपनी विद्यालय: केजी या पहली कक्षा में सीधा प्रवेश होगा

रिक्त सीटों पर सरकारी स्कूलो के बच्चों को ही मिलेगा प्रवेश

मंदसौर, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सीएम राइज स्कूलों की प्रवेश नीति आ चुकी है। अब इनका नाम संदीपनी विद्यालय कर दिया गया है। इस प्रवेश नीति के अनुसार जिले के सीएम राइज स्कूलों में निजी स्कूलों के बच्चों को एडमिशन नहीं दिया जाएगा। जिससे निजी स्कूलों में भारी खर्च पर पढ़ रहे बच्चों के अभिभावक परेशान हैं। कई अभिभावक निजी स्कूलों में पढ़ रहे अपने बच्चों को अब न्यूनतम खर्च में बेहतर शैक्षणिक सुविधा दिलाने के लिए सीएम राइज अर्थात सांदीपनी विद्यालयो में प्रवेश दिलाना चाह रहे हैं। लेकिन प्रवेश नीति में स्पष्टउल्लेख है कि केवल सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को ही सीएम राइज विद्यालय में प्रवेश दिया जाएगा, जिससे अभिभावकों की चिंता बढ़गई है। अधिकारियों के अनुसार एलकेजी या पहली कक्षा में सीधे सीएम राइज स्कूलों में दाखिला लिया जा सकता है। हमारे यहां रिक्ति नहीं है तो अन्य कक्षाओं में प्रवेश नहीं होंगे। क्योंकि, गाइड लाइन के अनुसार एडमिशन वर्तमान भवन के आधार पर होंगे।

सांदीपनी विद्यालयो में स्कूलों में प्रवेश के लिए भीड़– सीएम राइज स्कूलों अर्थात सांदीपनी विद्यालयो के नए भवनों में आधुनिक सुविधाएं, फ्री बस सेवा, स्मार्ट लैब, इनडोर कोर्ट, ग्राउंड, बेहतर टीचर, अंग्रेजी माध्यम का विकल्प होने के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपने अभिभावक के साथ सीएम राइज स्कूलों में पहुंच रहे हैं। निजी स्कूलों की महंगी फीस, किताबें व बस किराए का खर्च बचाने व कम खर्च में यही सुविधाएं सीएम राइज स्कूलों में मिलने के कारण यह स्थिति बनी है। लेकिन, स्कूल प्राचार्य व स्टाफ ऐसे विद्यार्थियों को एडमिशन नहीं दे रहे हैं। प्रवेश नीति में भी स्पष्टहैं कि सिर्फ शासकीय स्कूलों के छात्रों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

तीन किमी दायरे वाले को मिलेगा एडमिशन– स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी प्रवेश नीति में 31 मार्च 2025 तक पूर्ण हो चुके नए भवनों में शुरू होने वाले सीएमराइज स्कूलों के लिए जो नियम बनाए गए हैं उनमें ऐसे छात्रों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके घरों की दूरी स्कूल से एक किलोमीटर है। इसी के साथ दो व तीन किलोमीटर दूर रहने वाले छात्रों को भी दाखिला दिया जाएगा। जो स्कूल जून तक पूर्ण होंगे, उनमें एडमिशन वर्तमान बिल्डिंग की क्षमता के आधार पर होंगें

गुजरात अधिवेशन के बाद भी कांग्रेस में कुछ नया होगा, ऐसे आसार नजर नहीं आ रहे हैं...

मंदसौर/उज्जैन, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का अहमदाबाद में दो दिवसीय कांग्रेस संगठन का सम्मेलन समाप्त हो गया है। इसके पहले 03 अप्रैल को दिल्ली में जिला अध्यक्षों का सम्मेलन हो चुका था। दोनों ही सम्मेलन में जिनको भी बोलने का अवसर दिया गया, अधिकांश ने संगठन की कमियों को गिनाया और

चन्द्रमोहन भगत

पदाधिकारी की चयन प्रक्रिया की घोर आलोचना कर डाली। ऐसा करने वालों को सुनकर सोनिया, राहुल और खड़गे ने भी तालियां बजाई थी। उनके वीडियो वायरल किए गए। वक्ताओं की शिकायते पुख्ता थी और स्लीपर सेलों को लेकर राहुल गांधी ने भी टिप्पणियां की थी। इसलिए वक्ताओं ने भी खुलकर वह सब बोला, जिससे सिर्फ कांग्रेस को ही नुकसान हो रहा है, और किन छत्रप नेताओं के कारण, यह भी स्पष्टइशारा किया था।

कांग्रेस के वर्तमान शीर्ष नेतृत्व की संगठन में खामियों को स्वीकारने की सार्वजनिक हिम्मत को 40 दिन पहले ही केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में देख राजनेताओं, विरोधियों और समीक्षक पत्रकारों को महसूस होने लगा था कि कांग्रेस संगठन में सुधार जल्द होगा। अभी तक हुए आंशिक सुधार के कारण उत्साहित हो रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के उत्साह में ठहराव आने लगा है। अब कहा जा रहा है कि राहुल गांधी 15 अप्रैल के बाद कुछ करना शुरू करेंगे। क्या यह विषय गौण और उजागर न होने तक अस्तित्वहीन भी है। जिन राज्यों, जिलों के संगठनों और पदाधिकारियों के बारे में सब कुछ जान चुके हैं, सम्मेलनो में कार्यकर्ता बोल चुके हैं, वहां भी अभी तक बदलाव या कार्रवाई जैसा कुछ नहीं हुआ है।

मध्य प्रदेश को देखें तो जिलों में प्रभारी से लेकर सह प्रभारी, पर्यवेक्षक और मीडिया प्रभारी के जिलेवार दौरे निपट गए हैं। पर, कहीं से भी नया कुछ होने की खबर ही नहीं आई है। कई जिलों के वर्तमान जिला अध्यक्षों ने तो इस्तीफा देकर नया अध्यक्ष चुने जाने के लिए पत्र भी महीनो पहले वरिष्ठसंगठन को लिख भेजे हैं। अगर इसी गति से राहुल-खड़गे की टीम बार-बार नए युवाओं का संगठन बनाने का की घोषणा करते रहे तो कांग्रेस में उत्साहित हो चुके कार्यकर्ता भी हताश हो जाएंगे। भाजपा के अनुशासित समर्पित कार्यकर्ताओं से भीड़ने लायक टीम को जल्द नहीं समेटा गया तो कांग्रेस के डबल इंजन नेता भी जुमलेबाज की उपाधि पा जाएंगे।

शनिवार सुबह बूंदाबांदी के साथ चली आंधी

मंदसौर, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शनिवार अलसुबह करीब 04 बजे शहर सहित अंचल में बूंदाबांदी हुई। इसके अलावा आंधी तूफान का दौर भी चला। जिसके चलते शहर में कई जगहों पर बिजली भी गुल हो गई। मौसम विभाग के अनुसार अब 15 अप्रैल तक तेज गर्मी और लू का अलर्ट नहीं है। मौसम वैज्ञानिको के मुताबिक अगले 4 दिन बारिश, ओले, आंधी और गरज-चमक की आशंका है। इससे पहले शुक्रवार को ग्वालियर समेत कई शहरों में बारिश हुई, जबकि भोपाल में बादल छाए रहे। जिससे दिन के पारे में गिरावट हुई है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, नर्मदापुरम, उज्जैन, रीवा, शहडोल, सागर संभाग के 31 जिलों में तेज आंधी चलने और बारिश होने का अनुमान है। ऐसा ही मौसम 15 अप्रैल तक बना रहेगा। भोपाल की सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार, एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और दो ट्रफ के एक्टिव होने की वजह से प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। 15 अप्रैल तक लू का असर नहीं रहेगा। दिन-रात के पारे में गिरावट भी देखने को मिलेगी।

आपरेशन मुस्कान: 700 किमी दूर गुजरात से खोजा अपहृत को

मंदसौर, 12 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आपरेशन मुस्कान के तहत अपहरण के मामलों में दस दिन में सात बालिकाओं को दिल्ली, मोरवी गुजरात, नीमच और अन्य स्थानों से दस्तयाब किया है। एक ओर मामले में सीतामऊ पुलिस ने एक अपहृत को सात सौ किमी दूर गुजरात से दस्तयाब किया है। पुलिस ने बताया कि 22 मार्च को फरियादी ने सूचना दी। जिसमें उसने बताया कि उसकी नाबालिग बेटी उम्र 17 साल बाजार का कहकर गई थी। इसके बाद वापिस नहीं लौटी। पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरु की। विवेचना के दौरान अपहृत तथा आरोपी की तलाश में गठित विशेष टीम द्वारा लोकेशन के आधार पर अनेक स्थानों पर दबिश दी गई। साक्ष्यो के आधार पर अनुसंधान करते हुऐ अपहर्ता को मोरबी गुजरात से बरामद कर सफलता प्राप्त की

विचार-मंथन

रेपो दर कम होने से ब्याज दरों में आती है कमी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार अनुमानों के मुताबिक रेपो दर में पच्चीस आधार अंक की कटौती कर दी है। करीब पांच वर्षों तक रेपो दर में कोई कटौती नहीं की गई थी। फरवरी में पच्चीस आधार अंक की कटौती की गई थी। यह दूसरी कटौती है। इससे बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़ने और भवन, वाहन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों पर ब्याज का बोझ कम होने का रास्ता आसान हो गया है। रिजर्व बैंक यह फैसला इसलिए कर पाया कि इस वक्त अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें काफी नीचे आ गई हैं, गेहूं और दालों का अच्छा उत्पादन हुआ है, खुदरा महंगाई का रुख नीचे की तरफ है। आगे भी महंगाई के नीचे रहने का अनुमान है। रिजर्व बैंक ने महंगाई चार फीसद पर रहने का अनुमान लगाया है। रिजर्व बैंक का लक्ष्य भी यही था कि महंगाई को चार फीसद के आसपास रखा जा सके। इसलिए अब उसने अपना ध्यान विकास दर पर केंद्रित कर दिया है। फिलहाल विकास दर साढ़े छह फीसद पर रहने का अनुमान है। जिस तरह अमेरिकी शुल्क नीति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत के लिए अपना सकल घरेलू उत्पाद बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी हो गया है। इस वक्त अच्छी बात है कि विनिर्माण क्षेत्र में सुधार नजर आ रहा है, जो चिंताजनक स्तर तक गोते लगा चुका था। विनिर्माण क्षेत्र के कमजोर होने का असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ता है। यह क्षेत्र इसलिए कमजोर पड़ा हुआ था कि महंगाई आम लोगों की सहनशक्ति से ऊपर चली गई थी और उन्होंने अपने दैनिक उपभोग में कटौती करनी शुरू कर दी थी। अब महंगाई घटी है, तो स्वाभाविक रूप से उपभोग का स्तर उठेगा, जिससे विनिर्माण क्षेत्र को बल मिलेगा। रेपो दर कम होने से ब्याज दरों में कमी आती है। इसका लाभ कर्ज लेने वालों को तो मिलता है, पर बचत खाते आदि में पैसा जमा कराने वालों को नुकसान होता है। हालांकि जिन लोगों के पास पूंजी अधिक है, वे लंबी अवधि की योजनाओं में जमा कर अधिक ब्याज का लाभ ले सकते हैं। सबसे अधिक राहत वाहन, भवन, कारोबार आदि के लिए कर्ज लेने वालों को महसूस होती है, पर बैंक चूंकि लंबे समय से कारोबारी शिथिलता से जूझ रहे हैं, वे रेपो दर में पच्चीस आधार की कटौती का लाभ तुरंत अपने ग्राहकों को देना शुरू कर देंगे, कहना मुश्किल है। इस वक्त जिस तरह विश्व बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, निर्यात में और कमी आने की चिंता बढ़ गई है। पहले ही निर्यात के मामले में संतोषजनक वृद्धि नहीं हो पा रही थी, कई देशों के साथ व्यापार घाटा चिंताजनक दर से बढ़ रहा था, उसमें घरेलू बाजार को मजबूत करने पर बल देना होगा। रिजर्व बैंक का कहना है कि बाजार में अतिरिक्त पूंजी प्रवाह बढ़ाया जाएगा, इससे विनिर्माण क्षेत्र को बल मिलेगा, मगर खपत बढ़ाना फिर भी बड़ी चुनौती रहेगी। ऐसे में, रेपो दर में कटौती का लाभ इस बात पर निर्भर करेगा कि घरेलू बाजार को मजबूत करने पर कितना जोर दिया जा रहा है। जब बेरोजगारी की दर पर काबू पाने और प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी के साधन विकसित नहीं हो पा रहे हैं, तो उसमें केवल रेपो दर में कटौती से आर्थिक बेहतरी का दावा करना मुश्किल ही बना रहेगा।

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद...

उमेश चतुर्वेदी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रुपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा...क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति की स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रुपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है। सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य है। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है। संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रुख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रुख

अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग् तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है। तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है। अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करुणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रुपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रुख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रुख अपना रखा है। रुपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही है। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं। अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फार्मूला रहा है। त्रिभाषा फॉर्मूले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रुपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है। 1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रुपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं।

वात्सल्य के साथ-साथ स्पर्श स्पंदन की शक्ति...

अशोक कुमार

मानव मस्तिष्क में एक ओर संवेदनाओं की विभिन्न धाराएं प्रवाहित होती रहती हैं, जबकि उसके मन में व्यवहार की भी अलग तरंगें सदा सृजित होती हैं। व्यवहार के ये प्रवाह चेतन और अचेतन मन की ग्रंथियों की संवाहक होकर हम सभी के दैनिक जीवन के विविध आयामों में उतर कर व्यक्तित्व की छटा से संलग्न हो जाती हैं। तंत्रिका विज्ञान की भी मान्यता है कि हर प्राणी के मानस मंडल में कल्पनाओं के असीम भंडार छिपे हुए हैं। कल्पनाएं कभी गहरे चिंतन के अध्याय निर्मित करती है तो कभी वे हमारी दिनचर्या के विभिन्न पड़ावों पर अपनी छाप छोड़ती हैं। सुख-दुख के वातावरण में हम सभी सामान्य रूप में अपने स्वजनों से मिलकर अपनी संवेदना ज्ञापित करते हैं, जबकि ऐसी स्थिति नहीं रहने पर पत्र, दूरभाष, ईमेल आदि का सहारा भी लेने की प्रथा अब प्रचलित हो गई है। चिंतकों ने व्यक्ति के व्यक्तित्व के गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि प्राणियों में दृष्टि भाव, स्मृति भाव के साथ-साथ स्पर्श भाव के विपुल पुंज विद्यमान हैं। परिस्थिति के अनुसार व्यक्ति इन तीनों भावात्मक अनुभूतियों के माध्यम से अपने परिवार, मित्र और स्वजनों के प्रति व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं। स्मृति भाव के दृष्टांत में कहा गया है कि सागर तट के रेत में मादा कछुआ अपने अंडे को छिपाकर अपने आहार के लिए अन्यत्र चली जाती है और देर संध्या वापसी के बाद छिपाए अंडे जब नहीं खोज पाती, तो वह कारुणिक चीत्कार करती लगातार उन्हें खोजती जाती है और आखिर उसे उस स्थान की पहचान हो जाती है, जहां उसने अपने अंडे को छिपाया था। जीवन की यात्रा में हम स्पर्श की अनुभूति को कई तरह से महसूस करते हैं। धरती पर किसी भी शिशु के आगमन के बाद उसे सबसे पहले अपनी मां का स्पर्श प्राप्त होता है। इस स्पर्श सुख का कमाल है कि जिस शिशु के जन्म के समय मां भीषण दर्द सहते हुए बच्चे को जन्म देती है और जैसे ही शिशु को मां की बांहों में रखा जाता है, रोते हुए बच्चे एकदम शांत हो जाते हैं और प्रसूति की वेदना भी गायब हो जाती है। इस चरण के बाद भी बच्चा किसी भी कारण से अगर रो रहा हो और घर के अन्य सदस्य उसे चुप कराने में विफल हों, उस समय मां की गोद में आते ही शिशु बिल्कुल शांत और खुश हो जाता है। यह शिशु का मां के वात्सल्य के साथ-साथ स्पर्श स्पंदन की शक्ति है, जो सृष्टि के सृजन काल से महसूस की जा रही है। जीवन के अन्य चरणों में भी व्यक्ति को अपनी मां से लिपट

कर स्पर्श सुख की जो सबसे अधिक अनुभूति होती है, वह अन्यत्र दुर्लभ ही है। जब हम अपने मित्र या स्वजन से बहुत दिनों बाद मिलते हैं, तो उनसे गले लगते हैं या हाथ मिलाते हैं, तब हाथ का हाथ से गले का गले से स्पर्श तरंग एक दूसरे को आनंदित कर देती है और प्रसन्नता के हार्मोन सक्रिय हो जाते हैं। इसी कड़ी में बीमारी या शोक की घड़ी में किसी साथी द्वारा पीड़ित साथी के कंधे पर हाथ रखते ही उसके शोक के घनत्व में कमी आ जाती है। जब दोनों दोस्तों की पलकें भावुकतावश गीली होती हैं तो दुखी मन कुछ देर के लिए हल्का हो जाता है। किसी अनजान व्यक्ति से किसी मोड़ पर मुलाकात में जब हम औपचारिकता में हाथ मिलाते हैं, तो वह क्षण परिचय परिधि की नींव रखते हुए आत्मीयता का द्वार खोलता है। यह विधा हमें शालीनता और विनम्रता का पाठ तो पढ़ाती ही है, शिष्टाचार के सागर में छिपे कई मोतियों को चुनने का अवसर भी प्रदान करती है। प्रकृति में व्याप्त असंख्य पशु-पक्षी भी इस सुख में अपने को सन्निहित पाते हैं। बचपन में दादी जब घर की गाय को कुछ खिलाने जाती थीं तो सबसे पहले उसके सिर पर हाथ फेरते हुए उसे सहजता से पुचकारती थीं और गाय उनके हाथ में रखे खाने के अंश को ले लेती थी। पक्षी भी स्पर्श भाषा और भाव में गहरी डुबकी लगाते देखे जाते हैं। घोंसले में नन्हे चूजे अपनी मां, जो उनके लिए मुंह में दाना-पानी लेकर आती है, उसकी दूर से ही आहट पहचान लेते हैं और घोंसले से बाहर निकलकर चूं-चूं करते हुए आहार ग्रहण कर लेते हैं, जबकि कोई अन्य पक्षी पास में बैठ गया हो तो वे उसकी आहट के अहसास को प्रतिकूल भांपकर घोंसले के अंदर ही दुबके रहते हैं। जीवन के कुछ मुख्य क्षेत्रों में हम स्पर्श की महत्ता को अक्सर देखते तो हैं, लेकिन उसके गहरे मर्म को समझने में चूक जाते हैं। कृषि कार्यों की शुरूआत में किसान पहली बार अपने खेत में कदम रखने के पहले उसकी मिट्टी को माथे से तिलक लगा कर और नमन कर शेष कृषि कार्य शुरू करते हैं। इसी प्रकार हमारे सैनिक किसी भी क्षेत्र में अपने दायित्व पालन के लिए प्रस्थान करते हैं।

अब काशी, मथुरा की बारी है!

वह सन् 1989 की सर्दियां थीं। सर्द हवाओं के बीच शाम जल्दी घिर आई थी। अचानक मेरे फोन की घंटी बजती है। उधर से मथुरा संवाददाता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बाईपास थाने पर पुलिस ने कुछ कारसेवकों की पिटाई कर दी है। उन्हें अयोध्या कूच से भी रोक दिया गया है। मैंने उन्हें फोटोग्राफर के साथ जल्द से जल्द वहां पहुंचने की सलाह दी। संवाददाता और फोटोग्राफर ने जो देखा, उसे मुझतक पहुंचने में कुछ घंटे लग गए। उन दिनों मोबाइल फोन नहीं हुआ करते थे। मथुरा टीम के अनुसार, महाराष्ट्र के कारसेवकों से भरी बस अयोध्या जा रही थी। पुलिस ने उन्हें बताया था कि जब बस को जांच के लिए रोका गया, तो उसमें सवार लोगों ने नारे लगाने शुरू कर दिए - अयोध्या तो सिर्फ झांकी है, मथुरा, काशी बाकी है। इस पर पुरजोर बहस हुई और उसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर दिया। कारसेवकों का दावा पुलिस के बयान से ठीक उलटा था। उस दिन, उस घटना को कवर करते समय हमारे मन में यह ख्याल तक नहीं उभरा था कि आगे चलकर मथुरा और काशी भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निशाने पर आ सकते हैं। वजह? अयोध्या का आंदोलन चरमोत्कर्ष की ओर जरूर बढ़ चला था, लेकिन लोगों में विश्वास था कि कानून और व्यवस्था अपना काम करेंगे। बाबरी मस्जिद जिसे आडवाणी जी विवादित ढांचा बताते थे, उसको कुछ नहीं होगा। यह अलग बात है कि इस तरह के लोग हर नई तारीख के साथ घटते जा रहे थे। संघ ने बड़ी शिद्दत से इसे घर-घर का आंदोलन बना दिया था। उस दौर का अपना एक अनुभव साझा करना चाहूंगा। संघ कार्यकर्ताओं ने लोगों से आह्वान किया था कि गोधूलि वेला में वे अपनी छतों पर चढ़कर थालियां बजाएं। उस शाम मैं दफ्तर में बैठा था कि मेरी पत्नी का फोन आया। वे पूछ रही थीं कि क्या उन्हें भी छत पर जाकर थाली बजानी चाहिए? मैं फोन पर पड़ोस के घरों से उपजती ध्वनियां सुन सकता था। कार्यालय के आसपास भी ऐसा ही माहौल था। बच्चे छोटे थे और अपनी मां से ऊपर चलने की जिद कर रहे थे। मैंने कहा, आपका जो मन हो, करें। बाद में उन्होंने बताया कि किस तरह परिवार के परिवार उल्लास के साथ थाली बजाने में जुटे थे। घर-घर शिला पूजन सहित ऐसे तमाम आयोजन थे, जो अनवरत जारी थे। सरकारी तंत्र उन्हें रोकने में नाकाम था।इसके बावजूद आशावादियों की उम्मीदें कायम थीं। 6 दिसंबर, 1992 को उनकी भावनाओं पर हमेशा के लिए तुषारापात हो गया। तब भी किसी ने नहीं सोचा था कि महज 32 बरस में वहां इतना भव्य मंदिर आकार ले लेगा। यह लम्बी सामाजिक और कानूनी लड़ाई की तार्किक परिणति थी। इस मंदिर की नींव के साथ ही सवाल उठने लगे थे कि क्या अब काशी और मथुरा की बारी है? संघ और भाजपा के वरिष्ठ नेता इसका जवाब देने से कतराते थे। आपको याद होगा। पिछली सर्दियों में काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद का विवाद सड़कों पर पसर चला था। उन्हीं दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का बयान सामने आया कि राम मंदिर जैसे आंदोलनों की अब कोई आवश्यकता नहीं है। भागवत का यह भी कहना था कि नए स्थानों को लेकर घृणा फैलाने वाले अभियान स्वीकार्य नहीं हैं। बात दब गई प्रतीत होती थी, लेकिन पिछले हफ्ते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के एक बयान से मामला फिर गुनगुना गया है। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा कोई स्वयंसेवक काशी और मथुरा से जुड़े आंदोलनों में भाग लेना चाहता है, तो इससे संघ को कोई एतराज नहीं। अपनी बात को तार्किक आधार देते हुए होसबाले ने विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित धर्म संसद का हवाला दिया।

अहमदाबाद बैठक के बाद राहुल गांधी ने बताए कांग्रेस के तीन संकल्प

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक-5564

5			6		7			
	4		3		9	8		
3	7							1
4							3	
6	3		1	2	5		9	4
	1							8
8							7	6
		7	2		6		1	
			5		3			9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5563

2	8	9	4	7	5	1	3	6
5	7	6	1	8	3	4	2	9
3	1	4	2	9	6	8	5	7
7	6	2	5	1	8	3	9	4
4	5	1	9	3	2	6	7	8
9	3	8	6	4	7	2	1	5
6	9	7	8	2	1	5	4	3
8	2	3	7	5	4	9	6	1
1	4	5	3	6	9	7	8	2

वर्ग पहेली 5564

संकेत: बाएं से दाएं

1. अफ्रीका का वह देश एक प्रजातंत्र राज्य है जिसे 1 जुलाई 1960 को गणराज्य घोषित किया गया (2)
3. जम्मू-कश्मीर में 4054 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हिंदुओं का तीर्थ स्थल (5)
7. ऐसा वाद्य जिसमें तार लगे हों, [illegible] (2)
8. सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश के इस अंचल में स्थित है (3)
9. मन की कल्पना, विचार, ख्याल (3)
10. पुराणानुसार एक दैत्य का नाम जिसे श्रीकृष्ण ने अपनी बाल्यावस्था में मारा था, बगला नामक पक्षी (2)
11. फन, हुनर (2)
13. फुसलाना, पोछना, चलता करना (3)
14. सिख संप्रदाय के आदि गुरु (3)
16. लहर, उमंग, तरंग, झूमने का भाव (3)
17. उत्पात, उपद्रव, खलबली (4)
18. इंसाफ, फैसला (2)
21. मध्यप्रदेश का एक प्रसिद्ध रेलवे जंक्शन, प्रसिद्ध अभिनेता प्रदीप कुमार की अभिनेत्री बेटी (2)
23. शत्रु (4)
24. कलिंद पर्वत से निकलने के कारण यमुना नदी का एक नाम (3)

ऊपर से नीचे

1. हमला करने का अवसर देखना (5)
2. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
3. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि (4)
4. गाढ़ना, चिपकना (3)
5. अत्यंत महीन कण, सूजी (2)
6. हाथ से धीरे-धीरे ठोकना (4)
10. दूल्हा-दुल्हन को यह भी कहा जाता है (4)
12. तिरस्कारपूर्ण चाल, भर्त्सना, धिक्कार (3)
13. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
15. शास्त्रीय संगीत में एक ताल (4)
16. छिछली गोल तथा छोटी थाली (3)
19. हजरत मूसा के धर्म का अनुयायी (3)
20. स्वर्ग, स्वतः, खुद (2)
22. किसी नगर या कस्बे में प्रवेश द्वार (2)

वर्ग पहेली 5563 का हल

उ	त	र	प्र	दे	श	■	खा
पे	■	म	जा	■	म	द	न
न	■	क	■	द	शा	■	र
ष	मु	ना	■	ल	द	ना	■
न	■	■	लु	■	बे	टा	■
सं	ता	न	■	ख	ग	■	ब
स्वा	■	म	र	हे	म	■	हु
र	ह	न	■	रा	■	भा	त

भिक्षावृत्ति के खिलाफ विभिन्न चौराहों पर अभियान चलाया गया

भोपाल (नप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के विगत दिवस आदेशानुसार भोपाल जिले को भिक्षावृत्ति से पूर्णरूप मुक्त कराने के अभियान में गुरुवार को एमपीनगर एसडीएम श्री एल.के. खरे के नेतृत्व में व्यापम चौराहा, बोर्ड ऑफिस, ज्योति टॉकीज, डीबी मॉल चौराहा पर भिक्षावृत्ति के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिसमें अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग, कलेक्टर कार्यालय से श्रीमती करुणा रघुवंशी तथा श्री संजय गौतम एवं सामाजिक न्याय विभाग से श्री वीरेंद्र कोरी तथा श्रम विभाग से श्री अरुण कुमार साहू अभियान टीम में शामिल हुए। बोर्ड ऑफिस चौराहा पर दो व्यक्ति कमला बाई पति बाबूलाल, उम्र 55 वर्ष तथा झनक लाल यादव पिता परसादी लाल यादव, उम्र 67 वर्ष, भीख मांगते पाए जिन्हें समझाइश देकर आश्रय गृह कोलार रोड, भोपाल में रखा गया। अभियान के दौरान यह देखने में आया कि भिखारियो ने अब भीख मांगने का नया तरीका खोजा है जिसके तहत वह अपने पास पेन,अखबार, स्टिकर जैसी चीजें रखकर उसकी आड़ में भीख मांगते हैं तथा उन पैसों से नशा करते हैं, ऐसे कार्य करने वाले लोगों को भी एसडीएम द्वारा समझाइश दी गई। अभियान से जहां भोपाल शहर भिक्षावृत्ति मुक्त होगा, वही आश्रय गृह में भिखारियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेकों कार्य की व्यवस्था की गई जिससे वह आत्मनिर्भर होकर समाज की मुख्य धारा में शामिल होकर सम्माननीय जीवन - यापन कर सके।

नेशनल लोक अदालत हेतु प्री सिटिंग बैठक का आयोजन

भोपाल (नप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमान मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति मे एवं नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत विशेष न्यायाधीश श्रीमान राजर्षि श्रीवास्तव एवं सचिव श्री सुनीत अग्रवाल की उपस्थिति में दिनांक 11 अप्रैल 2025 को आगामी नेशनल लोक अदालत ,दिनांक 10 मई 2025 के सफल आयोजन हेतु नगर निगम, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग, यातायात पुलिस, कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत, दूरसंचार विभाग, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ संबंधित न्यायाधीशगण एवं नोडल अधिकारीगण की उपस्थिति में प्री-सीटिंग बैठक का आयोजन किया गया।

मां काली के दरबार में प्रसाद वितरण हुआ

भोपाल (नप्र)। भोपाल दादाजी दरबार परिवार के द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विशाल प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया यह जानकारी दादाजी परिवार के सदस्य राजीव गुलाटी ने उन्होंने बताया की पिछले दो वर्षों से लगातार प्रति रविवार मां काली के दरबार में प्रसाद वितरण का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर पार्षद प्रियंका शर्मा में पहुंचकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया एवं हनुमान जयंती की सभी देशवासियों को बधाई दी इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण एवं दादाजी परिवार के सदस्य मौजूद थे

प्रभु ईशु मसीह की शिक्षाओं को स्मरण किया जाएगा: फादर मार्टिन

भोपाल (नप्र)। (पाम संडे) मसीह समाज के 40 दिवसीय उपवास काल समापन की ओर हैं। इस कड़ी में कल खजूर का रविवार के रूप में कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट चर्च में स्मरण किया जाएगा । फादर अनिल मार्टिन ने बताया कि विशेष कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन गोविंदपुरा स्थित सेंट जॉन चर्च में भी किया जाएगा।

राजधानी में हनुमान जन्मोत्सव की धूम, मंदिरों में भारी भीड़, गूंज रहे जयकारे

भोपाल। राजधानी में श्री हनुमान जन्मोत्सव की धूम है। मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन चल रहे है। यहां पूजा अर्चना करने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है। न्यू मार्केट स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में प्रकटोत्सव पर आयोजन धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिर को आकर्षक सजाया गया है वहीं यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन करने कोई परेशानी न हो इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई है। दोपहर 12 बजे यह महाआरती हुई। इस मौके पर यहां पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व विधायक पीसी शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, नगर निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी एवं मंदिर ट्रस्ट के गोपाल मेहता, आरसी जैन, संजू अग्रवाल और सुरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इसके बाद भंडारा होगा। मंदिर की विशेषता मनोकामना शिला है। जहां भक्त अपनी इच्छाएं लिखते हैं। लगभग 45 वर्ष पुराना यह मंदिर शहर के केंद्र में स्थित है। मरघटिया महावीर मंदिर में भी आयोजन शाहजहांनाबाद स्थित मरघटिया महावीर मंदिर में विशेष आयोजन चल रहे है। आज अखंड रामायण पाठ, मंगल

आरती और भंडारा होगा। जहांगीराबाद स्थित श्री राम मंदिर खटलापुरा में शाम 5 बजे से भंडारे और 7 बजे से महाआरती व भजन संध्या का आयोजन होगा। पांच क्विंटल फूलों से मंदिर को सजाया गया है। इसके साथ ही कई मंदिरों में विशेष आयोजन चल रहे है।

भोपाल। परशुराम मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर एक शाम छींद वाले दादा जी के नाम संगीतमय सुंदरकांड में महापौर मालती राय ने सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की।

भोपाल। पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता की उपस्थिति में वार्ड क्रमांक 32 के अंतर्गत गीतांजलि चौराहे के पास स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल में हनुमान जी महाराज के जन्म उत्सव के अवसर पर सुंदरकांड का पाठ महाआरती एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर संगीतमय एवं भक्तिमय हनुमान चालीसा पाठ

भोपाल। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय संगीतमय हनुमान चालीसा के पाठ का प्रारम्भ किया था। आज दिनांक 12.04.2025 शनिवार को विद्यालय प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन हुआ। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री सुशील वासवानी, सचिव श्री बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष श्री चन्दर नागदेव, एवं सेवा भारती मध्य भारत प्रांत के संयोजक युवाम् मुख्य वक्ता श्री संकल्प दीक्षित, महानगर पूर्णकालिक करण सिंह, महानगर सह प्रमुख कार्तिक सक्सेना बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए उपस्थित हुए और एक हजार बच्चों के साथ अनुशासन में स्वरबद्ध हनुमान चालीसा का

पाठ किया। इस अवसर पर सर्वप्रथम संस्था के सचिव श्री बसंत चेलानी ने जय सियाराम के जयघोष के साथ बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''संकट आए या तूफान हमेशा साथ रहे हनुमान'' आज बहुत ही सौभाग्य का दिन है कि शनिवार और हनुमान जन्मोत्सव एक साथ आया है और हमारे विद्यालय में हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, इसलिए आज के शुभ दिन भी हमें हनुमान चालीसा का पाठ करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, मैं चाहता हूं कि मध्य प्रदेश के साथ-साथ देश के प्रत्येक स्कूल में प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होना चाहिए। संस्था के अध्यक्ष श्री सुशील वासवानी ने कहा कि आज शनिवार के साथ हनुमान जन्मोत्सव है, जहां पर हनुमान जी का पाठ होता है वहां हनुमान जी साक्षात् रहते हैं, हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मेरी प्रार्थना है कि हनुमान जी हम सबको सद्बुद्धि दे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित सेवा भारती मध्य भारत प्रांत के संयोजक युवाम् मुख्य वक्ता श्री संकल्प दीक्षित जी ने सभी को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई दी और कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज के दिन मुझे आप सबके बीच हनुमान चालीसा का पाठ करने का अवसर प्राप्त हुआ। पंचतत्वों में एक वायु के पुत्र हनुमान जी कहलाते हैं, शंकर जी उनके गुरू हैं हम को गर्व होना चाहिए कि सनातन धर्म को मानने वाले संस्कार विद्यालय में हम शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

गढ़वाली समाज ने प्रदर्शन कर दी चेतावनी

भोपाल (नप्र)। गढ़वाली समाज ट्रस्ट ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से अपील की है कि नीलवर निवासी भगत सिंह नेगी के पुत्र, 33 वर्षीय दिनेश सिंह नेगी, का अपहरण होने की घटना में त्वरित कार्रवाई की जाए। दिनेश नेगी का अपहरण 29 मार्च 2025 की रात 2 बजे चार अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किया गया था। इस घटना की सूचना उनकी बहन अंजलि नेगी ने दी, और इसे थाना रातीबड़ में भी दर्ज कराया गया। दिनेश का मोटरसाइकिल, जो उनकी भाभी के नाम पर है, गैरतगंज से लापता पाया गया है। 10 दिन बीत जाने के बावजूद, पुलिस ने अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। समाज के लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है, और यदि जल्द ही कार्यवाही नहीं की गई, तो गढ़वाली समाज तीन दिन बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करेगा। ट्रस्ट ने निखिल ठाकुर की गिरफ्तारी की भी मांग की है, जो घटना के समय दिनेश के निकटता में थे। परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है, क्योंकि दिनेश का अब तक कोई पता नहीं चला है, और यह स्थिति भगत सिंह नेगी सहित परिवार के लिए गंभीर मानसिक तनाव का कारण बन रही है। प्रशासन से अपेक्षा है कि वे जल्द से जल्द कार्रवाई करें, अन्यथा समाज की ओर से सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

वन्दे मातरम् समिति द्वारा प्रति द्वितीय शनिवार को आओ घर मिले चाय पर कार्यक्रम में पक्षियों के पीने के लिए पानी के सकोरे वितरित किए गए। इस माह यह कार्यक्रम पयोज जोशी के निवास के सामने स्थित मंदिर में आयोजित हुआ। हनुमान जयंती पर हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया।

वैश्य घटकों के अध्यक्षों के साथ हुआ संवाद

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि आगामी 22 अप्रैल 2025 को वैश्य घटकों के सम्मानीय प्रदेश अध्यक्षों के साथ होटल ओसियन ब्रिज पटेल नगर भोपाल में संवाद कार्यक्रम रखा गया है घटकों में अग्रवाल, श्वेतांबर जैन, दिगंबर जैन,केशरवानी समाज, असाटी समाज, कसौधन वैश्य, कन्यकुब्ज, हलवाई समाज, मेंढतवाल समाज, स्वर्णकार समाज चौरसिया महासभा, कलचुरी जायसवाल, तेली समाज महर्षि समाज पोरवाल समाज कच्छी गुजराती समाज माहौरवेज समाज चित्तौड़ वैश्य समाज अग्रहरि समाज दृढ़ ओमरे समाज, सिरोंजिया अग्रवाल समाज, साहू समाज के प्रमुख लोग सम्मिलित होंगे आज दिनांक 10 -4-25 को वैश्य महासम्मेलन बैठक संपन्न हुई जिसमें 22 अप्रैल 2025 की बैठक व्यवस्था पर चर्चा हुई, आवास व्यवस्था भोजन व्यवस्था पंजीयन व्यवस्था यातायात व्यवस्था प्रचार व्यवस्था के प्रभारी बनाए गए बैठक में शिरोमणि संरक्षक श्री उमाशंकर गुप्ता पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर अग्रवाल ओपी बंसल योगेश गुप्ता चंद्र कुमार जैन डॉक्टर पी के जैन जगदीश मित्तल विजय झाझरी अशोक अंबर, अशोक गुप्ता असाटी, सूर्यकांत गुप्ता, कुंज बिहारी गुप्ता, तरुण गुप्ता, श्रीमती रश्मि गुप्ता, राकेश जैन, प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

राज्य स्तरीय औद्योगिक आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल 17 अप्रैल को बीएचइएल में होगी आयोजित

भोपाल (नप्र)। औद्योगिक आपदा प्रबंधन विषय पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आयोजन म.प्र. के धार, उज्जैन इन्दौर, देवास. सीहोर, छिंदवाडा, जबलपुर सिंगरोली, रायसेन तथा भोपाल में आयोजित किये जायेंगे भोपाल जिले में 17 अप्रैल 2025 दिन गुरूवार को 09.30 बजे से बी.एच.ई.एल औद्योगिक संस्थान में किया जायेगा आपदा प्रबंध प्रशिक्षण एवं क्षमता वृध्दि कार्य के अंतर्गत भोपाल जिले में रासायनिक/औद्योगिक दुर्घटना विषय पर प्रशिक्षण, एक्सरसाइज 17 अप्रैल 2025 पूर्वाह्न 09.30 बजे से 01.30 तक किया जायेगा इसी संबंध में 15 अप्रैल को प्रातः 10.00 बजे से 01.30 बजे तक टेबल टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया जायेगा

कलेक्टर सभाकक्ष में मॉक ड्रिल की तैयारियों के संबंध में श्री बृजेश जयसवाल वरिष्ठ सलाहकार मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया बैठक में श्री जयसवाल ने बताया कि बताया गया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में रायानिक आपदा को लेकर 10 जिलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत भोपाल जिले में राज्य स्तरीय फायर एक्सप्लोजन को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की जायेगी जिसमें सभी महत्वपूर्ण एन.डी.आर.एफ. एस.डी.आर.एफ. जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिला स्तरीय इंसिडेंट रिस्पोंस टीम एयरपोर्ट, रेल्वे, टेलीकॉमनिकेशन, सेना, शशस्त्र पुलिस बल, सी.आई.एस.एफ जिला पुलिस के नोडल अधिकारी मॉक ड्रिल में हिस्सा लेंगें मॉक ड्रिल के अंतर्गत रासायनिक/औद्योगिक दुर्घना का परिदृष्य आयोजित कर कि

पुलिस ने 5 जिंदा कारतूस सहित 12 बोर की 2 बंदूक की बरामद

वन्य प्राणियो के शिकार के उद्देश्य से रखा था अवैध हथियार

भोपाल (नप्र)। पुलिस ने 5 जिंदा कारतूस सहित 12 बोर की 2 बंदूक की बरामद। आरोपी ने अपने खेत पर वन्य प्राणियो के शिकार के उद्देश्य से रखा था अवैध हथियार। आरोपी पर पूर्व में दर्ज हुआ हो चुका है वन्य प्राणी अधिनियम के तहत मामला दर्ज।

थाना शाहगंज प्रभारी दिनेश सिंह चौहान से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक जिला सीहोर दीपक कुमार शुक्ला एवं अति.पुलिस अधीक्षक श्रीमति सुनीता रावत के द्वारा जिले में अवैध हथियार रखने वालो के विरुद्ध लगातार कार्यवाही के निर्देश प्राप्त हुए थे। इसी क्रम में एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा के मार्गदर्शन में लगातार कार्यवाही जारी है। इसी तारतम्य में थाना प्रभारी शाहगंज दिनेश सिंह चौहान को मुखबिर से सूचना प्राप्त कि ग्राम खटपुरा का आमिर खान अपने खेत में बने टपरे में वन्य प्राणियो के शिकार के उद्देश्य से अवैध हथियार रखे है । मूखबिर सूचना की तस्दीक हेतु तत्काल टीम मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान आमिर खान के कोली वाले खेत पर बने टापरे के पास पहुँची जहा पर आमिर खान पिता वासिद खान उम्र 36 निवासी म.न. 08 ऐशबाग रोड बरखेडी भोपाल तथा हनीफ कालोनी हाउसिंग बोर्ड करोंद भोपाल हाल ग्राम खटपुरा को घेराबंदी कर पकड़ा। उसके पास से 05 जिंदा कारतूस व 02 बंदूक 12 बोर की मिली । आमिर खान से बंदूकों व कारतूसों को रखने के संबंध में वैध कागजात माँगे तो कोई कागजात नही होना बताया । आरोपी आमिर खान को दो नग 12 बोर बंदूक व 5 नग जिंदा कारतूस अवैध रुप से रखे पाये जाने से आरोपी का कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत् दण्डनीय पाया जाने से मौके पर उपस्थित पंचान के समक्ष आरोपी आमिर खान से विधिवत जप्त कर मौके पर सील बंद किया गया। इसके बाद आरोपी आमिर खान को गिरफ्तार किया गया । आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 101/25 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । आरोपी के विरुध्द थाना तलैया भोपाल में वर्ष 2018 वन्य प्राणी अधिनियम के तहत मामला दर्ज होना पाया गया है। उक्त कार्यवाही में निरी. दिनेश सिंह चौहान, सवनि रंजीत सिंह, प्र.आर. सचिन जाट, आर अनुज यादव, आर. संदीप, आर दिनेश अहिरवार , आर. दिनेश गठोले, आर. सचिन इनवाती, सैनिक चिंतामन साहू आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

आरजीपीवी में करोड़ो के घोटाले का पदार्फाश करने फ्रांड डिटेक्शन ऑडिट का आदेश

9 साल का हिसाब होगा साफ

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में हुए वित्तीय घोटालों की परतें खोलने के लिए फॉड डिटेक्शन ऑडिट कराया जाएगा। खास बात यह है कि विश्वविद्यालय विगत दो या चार नहीं बल्कि नौ वर्ष यानि वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2023-24 तक की अवधि के लिए फॉरेंसिक ऑडिट कराने जा रहा है। इससे उम्मीद की जा रही है कि विगत एक साल से घोटाले के नाम से मशहूर हो चुकी आरजीपीवी में हुए घोटालों की वास्तविक स्थिती स्पष्ट हो सकेगी। यह फॉरेंसिक ऑडिट स्पार्क एण्ड एसोसिएट से कराए जाने का आदेश जारी हुआ है।

इस के तहत कंपनी के ट्रेंड सीए ट्रांसेक्शन, डाक्यूमेंट कॉन्ट्रेक्ट, परचेज आर्डर, विवि के संचार माध्यम ई-मेल, नोट शीट आदि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर कड़ी से कड़ी जोडकर विस्तृत इंवेस्टिगेशन करेंगे। जांच का दायरा काफी व्यापक होगा। एक साल पहले 19.48 करोड़ का घोटाला उजागर होने और इसमें विवि के आला अधिकारियों की संलिप्तता, अकाउंटस में हेरफेर, के कारण बड़े घोटाले का अंदेशा जताया जा रहा है।

हालात के मद्देनजर माना जा रहा है कि यह आर्थिक घोटाला कई सौ करोड़ का हो सकता है। इसलिए तभी से सबकी नजरें शासन द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट पर टिकी हैं। लेकिन यह समिति भी एक साल में किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है। इसका मुख्य कारण है-लेखा शाखा में खातों व लेजर से संबंधित दस्तावेजों की भारी कमी और अव्यवस्था। इसके चलते अब तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के निर्देश पर विवि प्रशासन ने वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2023-24 तक की अवधि के लिए फॉरेंसिक ऑडिट कराने का निर्णय लिया है। आरजीपीवी में बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन से संबंधित दस्तावेज इतने असंगठित हैं कि जांच समिति को किसी भी स्तर पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। रिकॉर्ड की इस बदहाली के कारण न केवल पिछली वित्तीय गतिविधियों की समीक्षा बाधित हुई है, बल्कि विश्वविद्यालय की वर्तमान वित्तीय स्थिति का आकलन भी संभव नहीं हो सका है। इसकी एक प्रमुख वजह यह भी है कि विवि में कार्यरत लेखा शाखा के अधिकारी और बाबू इस कार्य के लिए योग्य नहीं हैं। उन्होंने रिकार्ड मेंनटेन नहीं किए हैं और सालाना ऑडिट रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हुए उपयुक्त कार्यवाही नहीं की है।

16 अप्रैल तक मांगी सहमतिः आरजीपीवी प्रशासन ने 26 दिसंबर 2024 को फॉरेंसिक ऑडिट के लिए विज्ञापन जारी किया था। ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से चयनित स्पार्क एण्ड एसोसिएट कायादेश सौंपा गया है। फर्म को 2015-16 से 2023-24 तक के वित्तीय लेन-देन, खातों की संधारण प्रक्रिया और संभावित अनियमितताओं की बारीकी से जांच करनी होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऑडिट फर्म को निर्देशित किया है कि वह 16 अप्रैल 2025 तक कायादेश पर अपनी सहमति प्रेषित करे। साथ ही, उसे वर्क ऑफ स्कोप के अनुसार तय समय-सीमा में जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपनी होगी।

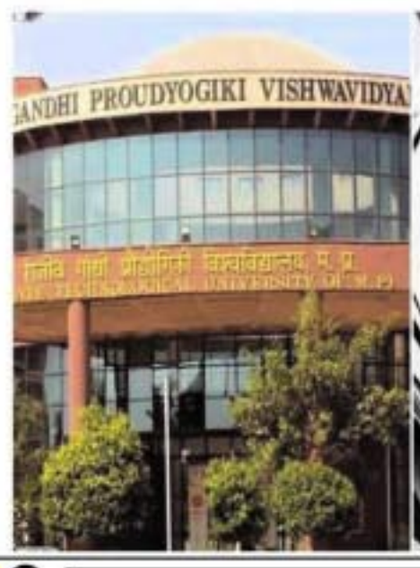

रानी अग्रवाल आज करेगी चंबल नदी बचाओ पद यात्रा

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन जिले के नागदा में आयोजित चम्बल नदी बचाओ पदयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में सिंगरौली की महापौर और आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल 13 अप्रेल को प्रात: 11:00 बजे शिरकत करेगी, यहां आंदोलन को मजबूती देने हेतु नागदा में आयोजित उज्जैन संभाग के सक्रिय कार्यकर्ताओ के सम्मेलन में मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। उक्त जानकारी देते हुए आम आदमी पार्टी के मीडिया प्रभारी प्रकाश दोसावत ने बताया कि आप की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित चंबल नदी बचाओ पदयात्रा में मंदसौर जिले से भी आप कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे। आम आदमी पार्टी के मंदसौर जिलाअध्यक्ष यशवंत धाकड ने उक्त पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों को पदयात्रा में सम्मिलित होने के लिए आग्रह किया है।

कर्नाटक के राज्यपाल श्री गेहलोत ने हर्खियाखाल बालाजी मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की

नीमच 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। कर्नाटक के राज्यीपाल महामहिम श्री थावरचंद गेहलोत ने हनुमान जयंति के अवसर पर सुप्रसिद्ध श्री संकट मोचन हर्खियाखाल बालाजी मंदिर पर दर्शन कर पूजन अर्चन किया। महामहिम राज्यपाल ने हनुमान जयंति के अवसर पर मंदिर पर आयोजित यज्ञ हवन में भाग लेकर मंत्रोचार के साथ आहूतियॉ दी और यहॉ हवन की पूर्णाहुति में भाग लिया और आरती की।

इस अवसर पर सांसद श्री सुधीर गुप्ताह, विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार, विधायक श्री हरदीप सिह डंग, श्री चंदरसिह सिसोदिया, पूर्व विधायक मंदसौर श्री यशपाल सिह सिसोदिया, पूर्व विधायक आलोट श्री जितेन्द्र गेहलोत, नीमच न.पा.अध्य,क्ष श्रीमती स्वाूति चौपड़ा, श्री संतोष चौपडा, श्री अशोक खीची सहित अन्यद जनप्रतिनिधि, एसपी श्री अंकित जायसवाल, अतिरिक्तो पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया, एसडीएम श्री संजीव साहू व अन्यत अधिकारी तथा बडी संख्या में श्रृद्धालु उपस्थित थे। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी प.श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा व समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों ने अतिथियों का शॉल श्रीफल भेट एवं पगडी पहना कर समिति की ओर से स्वागत अभिवादन किया। प्रारंभ में महामहिम राज्यरपाल श्री थावरचंद गेहलोत के हर्खियाखाल बालाजी मंदिर पहुचने पर जिला प्रशासन की ओर से एसपी श्री अंकित जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिह सिसोदिया एवं एसडीएम श्री संजीव शाहू ने महामहिम राज्यअपाल की आगवानी कर पुष्पिगुच्छ व भेटकर स्वीागत किया।

प्रयास सेवा समिति एवं सिंधु सभा युवा शाखा द्वारा मनाया गया सिंधी भाषा दिवस

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। 10 अप्रैल 1967 को सिंधी भाषा को संविधान के आठवे अनुच्छेद में शामिल किया गया था, इसी उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को सिंधी भाषा दिवस मनाया जाता है, इसी कडी में जय राम की प्रयास सेवा समिति एवं भारतीय सिंधु सभा युवा शाखा के द्वारा स्थानीय सिंधु महल परिसर में सिंधी भाषा को लेकर एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें की समाज के अनेक बच्चों ने सिंधी भाषा की प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक बढ चढकर भाग लिया एवं अपनी प्रस्तुतियां दी। प्रतियोगिता में अलग-अलग विषयों पर निबंधों का वाचन सिंधी भाषा में करना, सिंधी भजन गाना, पल्लव अखा पाना आदि शामिल था।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ कार्यक्रम के अतिथि गण वरिष्ठ समाजसेवी काका दृष्टनंद नेनवानी, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी, महासचिव राजेश चाहूंजा, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत महिला अध्यक्ष पार्षद भावना पमनानी, लाडी लोहाना सिंधी पंचायत महिला अध्यक्ष मंजू कोठारी, भारतीय सिंधु सभा महिला अध्यक्ष कांता चतवानी, पार्षद निर्मला चंदवानी, एवं समाज के वरिष्ठ जन द्वारा भगवान झूलेलाल की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर एवं माल्यार्पण कर किया गया।

अपने उद्बोधन में काका दृष्टांनद ने कहा जिस तरह से हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है, उसी तरह से सिंधी हमारी मातृभाषा है, हमें इन दोनों भाषाओं का ही सम्मान करते हुए अपने रोजमर्रा की दिनचर्या में इनका अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। महिला अध्यक्ष भावना पमनानी ने कहा ऐसे आयोजनों से हमारी नई पीढी को अपने संस्कृति से रूबरू होने का, जुडे रहने का मौका मिलता है, इस कार्यक्रम के लिए मैं दोनों संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए स्वागत अभिनंदन करती हूं। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन एवं संस्था के कार्यों की जानकारी अध्यक्षद्वय प्रकाश लालवानी एवं दिनेश चंदवानी द्वारा दी गई, प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सांस्कृतिक मंच की अध्यक्ष ज्योति ककनानी, प्रयास सेवा समिति की वरिष्ठसक्रिय सदस्य मालती कोठारी, वरिष्ठशिक्षाविद प्राचार्य रचना आसवानी रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृति माखीजा ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान नव्या बाबानी ने प्राप्त किया तृतीय स्थान मिहिर चंदवानी ने प्राप्त किया।

आयोजन में वरिष्ठ समाजसेवी लाला ककनानी, दयाराम जैसवानी, प्रोफेसर वासुदेव गलानी, प्रयास सेवा समिति के सक्रिय वरिष्ठ सदस्य दुर्गेश बेलानी, मुकेश चंदवानी, सोनू सेवानी, हीरालाल मनवाणी, लोकेंद्र लालवानी मनीष बेकरी, जापानी भावनानी, लता लालवानी, पूनम मखीजा, विशाखा कोठारी, प्रयास सेवा समिति सदस्य हर्षा साधवानी, जीशा लालवानी, खुशी हरवानी, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रितु कोठारी, एवं निशा चंदवानी ने किया, आभार सिंधु सभा युवा शाखा प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कोठारी ने माना।

गांव की बेटी योजना के आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे ने बताया कि सत्र 2024-25 में अध्ययनरत गाँव की बेटी योजनान्तर्गत पात्र छात्राओं को ऑनलाईन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2025 है। वे छात्राएँ जो गाँव के विद्यालय से 12वीं कक्षा 60 प्रतिशत से अधिक अंकों से उत्तीर्ण किया है एवं निरंतर अध्ययन करते हुए महाविद्यालय में प्रवेश लिया है, वे छात्राएँ इस योजना हेतु अंतिम दिनांक से पूर्व ऑनलाइन आवेदन कर सम्पूर्ण आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन महाविद्यालय में अनिवार्यत: जमा कराएँ।

हनुमान जन्मोत्सव व शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

नीमच 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मंशापूर्ण महादेव रणजीत हनुमान मंदिर समिति के मुकेश धनगर ने बताया कि 11 अप्रैल 2025 को अखंड रामायण की स्थापना की गई। 24 घंटे लगातार चलने वाले इस अखंड पाठ में इंदिरा नगर के वरिष्ठपुरुष वर्ग, मातृशक्ति, छोटे बालक-बालिकाओं ने भाग लिया, 12 अप्रैल 2025 को सुबह 6 बजे मंशापूर्ण महादेव एवं रणजीत हनुमान मंदिर पर ध्वजा चढाई गई। इसके पश्चात सूर्योदय के साथ आरती कर हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया।

इसके उपरांत शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें नगर के सैकडों रामभक्तों ने भाग लिया। भगवा ध्वज लिए, जय श्रीराम के जयकारों के साथ निकली।

यात्रा नगर की सडकों को धर्म और भक्ति के रंग में रंग गई। शोभायात्रा का विश्राम पुन: मंदिर प्रांगण में हुआ, जहां पंडित योगेश शर्मा (नागदा) द्वारा वैदिक मंत्रों उच्चारण एवं सनातन संस्कृति अनुसार यज्ञ का आयोजन करवाया। सैकडों श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति दी। पूर्णाहुति के पश्चात महाआरती और प्रसादी का वितरण किया।

प्रभु भक्ति से गूंज उठा पूरा नगर सुबह 7:30 बजे प्रारंभ हुई शोभायात्रा इंदिरा नगर, न्यू इंदिरा नगर, क्लासिक क्राउन, भगवानपुर चौराहा आदि प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। शंखनाद, ढोल-नगाडों और भजन-कीर्तन की स्वर लहरियां के बीच भक्तों ने नृत्य किया और हनुमान जी की जय के जयघोष करते रहे। स्त्री-पुरुष, बच्चे-बुजुर्ग सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

फूलों की वर्षा और भव्य स्वागत शोभायात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं ने रंगोली सजाई और पुष्पवर्षा कर सभी भक्तों का स्वागत किया। कई स्थानों पर आतिशबाजी की गई, जिससे समूचा क्षेत्र जय श्रीराम , हनुमान जी की जय के उद्घोष से गूंज उठा। मनीष चौधरी मंदिर समिति के अध्यक्ष मनीष चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी धर्मप्रेमी बंधुओं का इस पावन प्रभात फेरी में हार्दिक स्वागत किया। यह दिन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भक्ति, सेवा और शौर्य का प्रतीक है। राम भक्त हनुमान जी ने अपने जीवन से यह सिद्ध कर दिया कि यदि मन में सच्ची भक्ति हो, तो कोई कार्य असंभव नहीं होता। उनकी शक्ति, बुद्धि, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा हमें यह सिखाती है कि जीवन में प्रभु श्रीराम के चरणों में अटूट विश्वास रखकर हर संकट को पार किया जा सकता है। शनिवार को प्रभात फेरी केवल एक शोभा यात्रा नहीं है, यह एक जागरण है। हमारे मन का, हमारे विचारों का और हमारे समाज का। आइए, हम सभी मिलकर संकल्प लें कि हम हनुमान जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर भयमुक्त रहेंगे, सत्य के पथ पर चलेंगे और धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस पावन अवसर पर, हम सब मिलकर रामधुन के मधुर स्वर में हनुमान जी की महिमा का गुणगान करें और नगर में भक्ति, शांति और सद्भावना का संचार करें। धर्म और संस्कृति का उद्घोष इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया कि सनातन धर्म की शक्ति श्रद्धा, सेवा और संगठन में निहित है हनुमान जन्मोत्सव पर नगरवासियों की भागीदारी ने हिंदू संस्कृति की अखंडता और गौरव को पुन: स्थापित किया है। शोभायात्रा में नगर की प्रथम नागरिक स्वाति चोपड़ा समाजसेवी संतोष चोपड़ा अपने पूरे परिवार के साथ सहभागी बनें।

इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मना श्री हनुमंत जन्मोत्सव

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। उधम सिंह चौराहा स्थित इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर पर श्री हनुमंत जन्मोत्सव पर दिनांक 12 अप्रैल को विशाल भंडारा हुआ। दोपहर को शुरू हुआ यह भंडारा सायंकाल देर तक चलता रहा जिसमें हजारों भक्तों ने उपस्थित होकर दर्शन एवं प्रसाद का लाभ लिया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर भी विशेष रूप से उपस्थित हुए तथा आपने भगवान बालाजी की पूजा अर्चना की भंडारा व्यवस्था में सहभागिता की व प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर समिति द्वारा प्रसाद में पांचो पकवान हलवा, श्रीखंड, पुडी, आलू बड़ा, दाल व चावल का बालाजी को भोग लगाया। भंडारा प्रारंभ होने से पूर्व हवन महा आरती हुई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हवन आरती दर्शन किए। हवन पूजन विधि पुजारी पं. शुभम शर्मा ने संपन्न कराई। बालाजी के भक्तों ने बहुत ही भाव विभोर होकर भक्ति नृत्य करते हुए बालाजी के प्रति अपनी श्रद्धा भावनाओं को प्रकट किया। भंडारा नन्ही मुन्नी कन्याओं का पूजन अर्चन कर व उन्हें भोजन कराकर प्रारंभ किया गया। यहां हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। धर्मसेवी बंसीलाल टाक ने बताया कि इच्छा पूर्ण बालाजी मंदिर पर हनुमान जयंती के अवसर पर प्रसादी भंडारा भक्तों के मन क्रम वचन के सहयोग से निरंतर 18 वर्ष से जारी रखते हुए इस वर्ष 19 वर्ष में प्रवेश कर गया है।

अपाक्स संगठन ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम दिया ज्ञापन

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक अधिकारी, कर्मचारी संगठन (अपाक्स) के जिलाध्यक्ष चेतनदास गनछेड एवं पदाधिकारी डॉ. राजेश सकवार, प्राचार्य गोविन्दराम सुहिल, डॉ. सत्यनारायण पाटीदार, शहजाद हुसैन, गोपाल वीर, अनिल दाहिमा, एन. एल. भारती, महेश गौड, आशाराम पंवार, राधेश्याम देवडा, कन्हैयालाल भावसार आदि सहित श्री सुरेश पंवार, संयुक्त संचालक एवं राजपत्रित अधिकारी संघ जिलाध्यक्ष ने प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश नारायण सूर्यवंशी भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेश भर में दिये गये ज्ञापन के तहत श्री रघुनाथ मचार तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव म.प्र.शासन के नाम ज्ञापन दिया गया। अपाक्स ने मांग की कि सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए म.प्र. शासन सभी वर्गों को उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण दे तथा नियुक्तियाँ प्रदान करें इससे कोई भी वर्ग वंचित नहीं रहेगा। 2011 की जनगणना के आंकडों के अनुसार अ.जा. आबादी 15.6 प्रतिशत है, आरक्षण 16 प्रतिशत अ.ज.जा आबादी 21.14प्रतिशत है आरक्षण 20 प्रतिशत, आर्थिक रूप से कमजोर ईडब्ल्यूएस आबादी 8.6 प्रतिशत आरक्षण 10 प्रतिशत तथा पिछड़ा वर्ग आबादी 51.09 प्रतिशत आबादी आरक्षण मात्र 14 प्रतिशत और मुस्लिम आबादी 3.7 प्रतिशत है। परन्तु पिछड़ा वर्ग को मात्र 14 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है और इस वर्ग की उपेक्षा की जा रही है।

31 जनवरी 2025 के आंकड़ों के आधार पर इस वर्ग के 18940 स्वीकृत पदों में से 28.56प्रतिशत प्रोफेसरों, सहायक प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों के 5410 पद आज भी रिक्त पडे है जो सोचनीय है। अपाक्स संगठन मांग करता है की संसदीय समिति रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ग से प्रोफेसरो के पदों की स्थिति अत्यंत ही चिंताजनक है।

अत: इन पदों पर आरक्षित वर्ग से तत्काल नियुक्तियां की जावे ताकि शिक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित किया जा सके। और आरक्षण और नियुक्तियों में समानता, न्याय स्पष्ट रूप से देखा जा सके इसी के साथ आबादी के हिसाब से हक दो और अन्याय बंद करो के साथ इस वर्ग के साथ अन्याय न हो और म.प्र. सामाजिक न्याय का एक मॉडल राज्य बना सके। अन्त में आभार तहसील अध्यक्ष गोपाल वीर ने माना।

सोमकलश यात्रा के साथ होगा महासोम यज्ञ का शुभारंभ आज

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। श्री विराट वाजपेय महासोम यज्ञ का शुभारंभ आज 13 अप्रैल रविवार को भव्य सोमकलश यात्रा के साथ चल समारोह के रूप में होगा।

श्री सोमयज्ञ आयोजन समिति द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य में बताया गया है कि 13 अप्रैल रविवार को प्रात: 8:00 बजे श्री गोवर्धन नाथ मंदिर जीवागंज से चल समारोह के रूप में सोमकलश यात्रा आरंभ होगी जो श्री वल्लभ कुल के द्वितीय घर के पीठाधीश्वर पद्मभूषण डॉ. गोकुलोत्सव जी महाराज जो सोमयज्ञ के सर्वाध्यक्ष हैं और सोमयज्ञ सम्राट वैष्णवाचार्य गोस्वामी डॉ. व्रजोत्सव जी महाराज के सानिध्य में निकलेगी। प्रात: 8:00 बजे श्री गोवर्धन नाथ मंदिर से सोमकलश यात्रा का शुभारंभ होगा। शोभा यात्रा व कलश यात्रा का रूट गोवर्धन नाथ मंदिर जीवागंज से आरंभ होकर जीवागंज गली नंबर 2 नयापुरा रोड से श्री वल्लभाचार्य नगर कालाखेत प्रांगण में पहुंचेगी। जहां पूज्य महाराज श्री के प्रवचनों के बाद महासोम यज्ञ का शुभारंभ होगा।

सभी यज्ञों में सबसे बडा यज्ञ माना जाता है नगर में सम यज्ञ का आयोजन होना बडे ही सौभाग्य का विषय है इस दुर्लभ महायज्ञ में सम्मिलित होने के लिए श्रद्धालुओं में अपार उत्साह है 13 से 18 अप्रैल तक होने वाले महासोम यज्ञ में प्रतिदिन चार पलियां होगी जो प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक ओर सायंकाल 3 से 7.30 बजे तक होगी। 18 अप्रैल को महासोम यज्ञ की पूर्णाहुति होगी। यज्ञशाला में दर्शन दीर्घा और परिक्रमा मार्ग भी बनाया गया है।

आयोजन समिति द्वारा एक दिन पहले शनिवार को मातृशक्ति मंडल की महिलाओं ने यज्ञ वेदियों को मिट्टी और गोबर लेपन किया। श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि वे सोमयज्ञ में सम्मिलित होवे। यज्ञशाला के दर्शन करें वह परिक्रमा का भी लाभ लेवे। ऐसा दुर्लभ अवसर बार-बार नहीं आता।

नागर ब्राह्मण समाज द्वारा हाटकेश्वर जयंती पर्व धूमधाम से मनाया

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। नागर ब्राह्मण समाज के सामाजिक बंधुओं द्वारा सपरिवार उपस्थित होकर हाटकेश्वर मंदिर मंदसौर पर अपने आराध्य देव भगवान हाटकेश्वर की जयंती पूर्ण उत्साह एवं धूमधाम से मनाई गई। प्रात: 8 बजे से भगवान हाटकेश्वर (शिवजी) का अभिषेक आचार्य पंडित सुमित पांडे एवं पुजारी पं. मुकेश नागर द्वारा सम्पन्न करवाया गया। अभिषेक के लाभार्थी वरिष्ठसमाजसेवी श्री प्रभाशंकर मेहता, श्रीमती मधु मेहता एवं श्री गोविन्द प्रसाद नागर, श्रीमती भगवतीदेवी नागर बने। अभिषेक के बाद महाआरती एवं प्रसादी वितरण के साथ ही मंदिर पर नवीन ध्वजा चढाई गई। शाम को 7 बजे संध्या आरती एवं प्रसादी का वितरण किया। इस आयोजन में समाज अध्यक्ष बाबूलाल नागर, पूर्व अध्यक्ष रमेशचन्द्र नागर, पूर्व उपाध्यक्ष बालकृष्ण दवे, सचिव सतीश नागर, कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र नागर, डॉ. मोहन नागर, प्रवीण मेहता, श्रीमती मुक्ति मेहता, प्रवीण मेहता, श्रीमती दीपिका मेहता, सुनील मेहता, हरिश दवे, मोहित मेहता, श्रीमती स्वाती मेहता, श्रीमती कलाबेन नागर, डॉ. राजेन्द्र नागर, श्रीमती अलका नागर, श्रीमती प्रतिभा नागर, श्रीमती निर्मला नागर, श्रीमती रेखा नागर, श्रीमती सेजल नागर, मास्टर कार्तिक नागर आदि अन्य सामाजिक बन्धुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ लिया। ये जानकारी अध्यक्ष बाबूलाल नागर द्वारा दी गई।

प्रेरणा दिवस के रूप में मनी महात्मा फुले की जयंती

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। वंचित शोषण पीडित एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपना संपूर्ण जीवन न्यौछावर करने वाले देश के प्रथम महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती आज पूरा देश मना रहा है। संयुक्त माली समाज मंदसौर द्वारा भी आज मंदसौर में पुरानी कृषि उपज मंडी किसान शॉपिंग मॉल में स्थापित महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीपदान कर महात्मा फुले की जयंती मनाई। कार्यक्रम के आरंभ में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुकेश काला, राज्यसभा सांसद एवं नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश गुर्जर, मध्य प्रदेश गुरु सिंह के सभा के प्रभारी सरदार अमरजीत सिंह चावला, समाजसेवी कन्हैयालाल सोनगरा, ठाकुर श्री शिव मंगल सिंह राणा, डॉ.रविंद्र पांडे, पं. कृष्णकांत शर्मा, समाज अध्यक्ष नंदराम उनियारा, शेषनारायण माली आदि ने महात्मा ज्योतिबा फुले के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीपदान किया।

कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों का स्वागत बाबूलाल राठौर, मुकेश गहलोत, गुड्डूगढवाल, पूर्व पार्षद दिनेश रावल, बद्री लाल मोरी, दिनेश परमार, उमेश रावल, भेरूलाल गहलोत, राजू गहलोत, प्रदीप भाटी आदि ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अभिभाषक श्री डी.एल. लिलोरिया, सेवानिवृत शिक्षक रघुनाथ अलोनिया का विशेष सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में नगर के प्रसिद्ध गायक कलाकार योगेश गोविंदानी एवं गीतकार एवं गायक नंदकिशोर राठौर ने देश भक्ति गीत गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सभी ने फिल्म अभिनेता निर्माता निर्देशक मनोज कुमार को भी अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर स्वरोजगार करने वाली मातृशक्तियों का सम्मान किया गया जिसमें प्रमुख रामकन्या मुकेश माली, संगीता दिनेश रावल, लता दिनेश टाक, करिश्मा लोकेश नागर, कुंती अशोक उमा सुनील नागर, नीरू उमेश रावल, भगवती प्रेम नगर के साथ-साथ आशा निर्मल मलिक भी दुपट्टा पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया।

वक्फ की संपत्तियों का भौतिक सत्यापन करेगी जिला वक्फ कमेटी

मंदसौर 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। जिला वक्फ कमेटी अध्यक्ष अमजद पठान ने बताया कि मंदसौर जिले में स्थित वक्फ बोर्ड की करोडों की संपत्ति का भौतिक सत्यापन जल्द शुरू होगा। यह सत्यापन जिला वक्फ कमेटी मंदसौर द्वारा किया जाएगा और भौतिक सत्यापन के बाद स्थानीय प्रबंध समितियों का गठन भी होगा। भौतिक सत्यापन में जरूरत पडने पर प्रशासन की भी मदद ली जाएगी।

दरअसल, वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद अब मंदसौर जिले में वक्फ की संपत्तियों पर कहां और किसने कब्जा कर रखा है इसकी तस्वीर साफ होगी। संशोधन बिल के अनुसार छह महीने के भीतर वक्फ संपत्ति को सेंट्रल डेटा बेस पर रजिस्टर्ड करना अनिवार्य होगा। ऐसे में जिला वक्फ कमेटी हरकत में आ गई है। हालांकि वक्फ कमेटी मंदसौर जिला के द्वारा शासन के राजपत्र में दर्ज संपत्ति की सूची के अनुसार ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में वक्फ की संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इस सत्यापन के दौरान यह भी देखा जाएगा कि वक्फ की संपत्ति पर किसी का एकाधिकार तो नहीं है। भौतिक सत्यापन के बाद जिला कमेटी द्वारा वक्फ की संपत्तियों को कब्जे से मुक्त कराया जाएगा। मामले में जिला वक्फ कमेटी अध्यक्ष अमजद पठान ने बताया कि जिला वक्फ कमेटी द्वारा शीघ्र ही वक्फ की संपत्तियों का भौतिक सत्यापन कर सीमांकन भी कराया जाएगा। जहां-जहां भी कब्जे हैं, उन्हें मुक्त कराया जाएगा। यह जानकारी जिला वक्फ कमेटी मंदसौर के जिला उपाध्यक्ष शाकिर हुसैन गढवी के द्वारा दी गई है।

दर्जी समाज ने मनाई पीपा जी महाराज की जयंती, निकाली शोभा यात्रा

मनासा 12 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज ने आरोग्य की देवी भादवा माता जी में अपने आराध्य देव संत शिरोमणि पीपाजी महाराज की 702 वीं जयंती बडे ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई। पीपा जयंती पर शनिवार को नीमच, मंदसोर सहित आसपास के जिले व ग्रामीण क्षेत्रों के समाजजन भादवा माता जी स्थित कार्यक्रम स्थल कुमावत धर्मशाला में एकत्रित हुए। सुबह 10 बजे कार्यक्रम स्थल से पीपाजी महाराज की भव्य शोभा यात्रा प्रारंभ हुई। इसमें पीपा जी महाराज आकर्षक बग्गी में सवार थे। जो गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए भादवा माता जी मंदिर पहुंची। जहा पर मां भादवा को समाजजनों द्वारा चुनर ओढाई गई।

पुन: शोभायात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस बीच शोभायात्रा में समाज की महिलाएं, पुरूष व युवक-युवतियां विशेष परिधान पहने डीजे की धून पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। इस दोरान कार्यक्रम स्थल पर समाजजनों का उदबोधन हुआ, इसमें समस्त समाजजनों ने प्रतिवर्ष पीपा जयंती भादवा माता जी में ही मनाने की सहमति दी। कार्यक्रम के अंत में समाजजनों ने बालाजी महाराज व पीपाजी महाराज की आरती कर भोजन प्रसादी ग्रहण की।

In The Court Of III Civil Judge Class-1, District Court, Mandsaur

Presiding Officer: राज कुमार त्रिपाठी

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(MjC SUC/0000015/2025)

नंदुबाइ अहिरवार..... वादी — 5888-1

विरुद्ध कृष्णबाई अहिरवाल प्रतिवादी — Process Id-/2025

प्रेषिती- — पेशी दिनांक:- 06/05/2025

(1) सर्वसाधारण पता- सर्वसाधारण

यह कि प्रार्थी नंदुबाइ अहिरवार ने आपके विरुद्ध विविध प्रकरण उत्तराधिकार अधिनियम के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें ओर उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसे सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 07 April 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

राज कुमार त्रिपाठी
तृतीय व्यवहारी न्यायाधीश मंदसौर

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी:- कृपया ध्यान दें:-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in